।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाष : 01565–224600,224900

ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

व्यक्ति नहीं, संघ मुख्य होना चाहिए – युवाचार्य महाश्रमण

–तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)–

श्रीडूँगरगढ़ 27 फरवरी : व्यक्ति नहीं, संघ मुख्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ के उत्तराधिकारी युवाचार्य महाश्रमण द्वारा आज हाजरी वाचन कार्यक्रम में कहा गया यह कथन राजनैतिक पार्टियों, धर्मसंघों और अन्य संगठनों में पनप रहे वंशवाद एवं व्यक्तिवाद का करारा जवाब है। जब तत्कालिक राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने राष्ट्रपति बनने के बाद आचार्य महाप्रज्ञ के प्रथम बार दर्शन किये थे तब आचार्य महाप्रज्ञ ने राष्ट्र को नम्बर एक पर रखने और पार्टी को नम्बर दो पर रखने का संदेश नेताओं को आत्मसात कराने का निर्देश दिया था। राष्ट्रपति इस बात को सुनते ही खुशी से उछल पड़े थे और इसको बहुत जरुरी बताया था। यह दोनों कथन देशहित को नजर अन्दाज करने वाले नेताओं को नसीहत देने वाले हैं और राष्ट्र की एकता के लिए प्रेरणा करने वाले हैं। जब संघ गौण व्यक्ति प्रमुख और देश गौण पार्टी प्रमुख हो जाती है तो दोनों की दीर्घजीविता पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है। युवाचार्य महाश्रमण ने भले ही यह बात तेरापंथ धर्मसंघ को अखंड बनाये रखने के लिए कही हो पर सभी राष्ट्रों और संगठनों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

युवाचार्य महाश्रमण ने उपस्थित साधु–साध्वियों को तेरापंथ की प्राण मानी जाने वाली आचार्य भिक्षु द्वारा निर्मित मौलिक मर्यादाओं का पुनरावर्तन कराते हुए कहा कि धर्मसंघ से जुड़े हुए प्रत्येक व्यक्ति में संघीय भावना होनी चाहिए। उन्होने कहा कि संघ को सुव्यवस्थित चलाने के लिए मर्यादाएं आवश्यक है। तेरापंथ में इनका निर्माण न्याय, संविभाग और व्यवस्था को बनाये रखने के लिए किया गया है। उन्होने गीता में बताये गये तपस्या के प्रकारों का विश्लेषण करते हुए कहा कि भौतिक आकांक्षा के लिए तपस्या नहीं करनी चाहिए। उन्होने शारीरिक, मानसिक और वाचिक तपस्या की चर्चा करते हुए कहा कि सेवा करना एक प्रकार की तपस्या है। सेवा निर्जरा भाव के साथ होनी चाहिए। परम निर्मल परमात्मा की भाव, पूजा करना भी तपस्या है। परमात्मा का नाम स्मरण करना भी भाव शुद्धि का उपयुक्त माध्यम है। उन्होने गुरु पूजा, सरलता, ब्रह्मचर्य की साधना को तपस्या का ही प्रकार बताया। युवाचार्यप्रवर ने साधु–साध्वी समुदाय को मैं श्रणम हूं को हर क्षण मानस में रखने की प्रेरणा दी।

राष्ट्रीय संस्कार निर्माण शिविर में आयोजन की घोषणा

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में इसी वर्ष राष्ट्रीय संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन करने की घोषणा की गई। यह शिविर सरदारशहर में 21 मई से 30 मई तक लगाया जायेगा। इस शिविर में देश भर के 13 वर्ष से 20 वर्ष तक के बच्चों के द्वारा भाग लिया जायेगा। महासभा ने इस शिविर के लिए संचय जैन को संयोजक और क्षैत्रीय संयोजक के तौर पर प्रदीप संचेती, प्रतीभा चौपड़ा, महावीर दूगड़, सुरेश कोठारी को नियुक्त किया है। इस शिविर में भाग लेने के लिए 09829052452 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक/सहसंयोजक